कासोली (दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा)में फोकस समूह की बैठक और आत्मसमर्पण नक्सलियों के साथ बातचीत।

Focus Group Meetings in Kasoli in Dantewada and Interaction with arrested Naxals in Chhattisgarh.

कासोली (दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा)में फोकस समूह की बैठक और आत्मसमर्पण नक्सलियों के साथ बातचीत।

ग्रामीणों, सरपंच, पंचायत सचिव और आदिवासी नेताओं के साथ गांव कासोली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के प्रोफेसर डॉ नुपुर तिवारी द्वारा एक फोकस ग्रुप की बैठक बुलाई गई थी। बातचीत का उद्देश्य पीईएसए (ग्राम सभा) के नक्सल प्रभावित जिलों की जनजातीय आबादी को लाने, मुख्यधारा के निर्णय लेने में और प्रभावी ग्राम सभा के नियंत्रण में प्रभाव पड़ सकता है, यह मापने के लिए एक प्रभावी प्रक्रिया के रूप में पता लगाना था। और गांव में नक्सली प्रभाव की जांच। एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से नक्सलवाद को रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित यह एक अध्ययन है। गांव में आम तौर पर लोगों ने नक्सल की दमनकारी शक्ति की निंदा की और उनके आरोपों का भय व्यक्त किया। वे ग्राम सभा में संयुक्त रूप से बुनियादी सेवाओं जैसे कि पीने के पानी, सिंचाई, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और ओडीएफ के विकास और वितरण के लिए काम करना चाहते हैं। आत्मसमर्पण करने के बाद उन्होंने अपना जीवन जानने के लिए आत्मसमर्पण नक्सलियों से भी बातचीत की।।

Focus group meeting at kasoli and interaction with surrendered naxals.

A focus group meeting was convened by Dr. Nupur Tiwari, Associate Professor at Indian Institute of Public Administration, New Delhi, in the village Kasoli with villagers, sarpanch, panchayat secretary, and tribal leaders. The aim of the interaction was to find out the impact of PESA (Gram Sabha) as an effective process to bring the tribal population of the naxal affected districts ,in the mainstream decision making and to measure whether effective Gram Sabha can have an impact in controlling and checking the naxal influence in the village. This is an on going study sponsored by the central government to gauge curbibg of naxalism through integrated approach. People in general in the village highly condemned the naxal's suppressive power and expressed their accute fear. They want to jointly work in Gram Sabha for development and delivery of basic service such as drinking water, irrigation, sanitation, health, education and ODF. She also interacted with surrendered naxals to find out their life after surrendering.

Dr Nupur Tiwari